अनुसंधान दर्शिका प्रथम भाग
खण्ड – क
एम.डी. आयुर्वेद शोध प्रबन्ध सारांश
अनुक्रमणिका

1 - काय चिकित्सा

क्र. सं.	शीर्षक का नाम		अध्येता का नाम	पृष्ठ नं.
	1974			
1.	शोथ रोग का नैदानिक अध्ययन एवं दशमूल प्रयोग	:	डा. मदनलाल शर्मा	1
2.	गुल्म रोग विवेचन	:	वैद्य बनवारी लाल गौड	1
3.	ग्रहणी रोग विवेचन	:	डा. श्रीकृष्ण शर्मा	2
4.	अम्लपित्त रोग विमर्श (विद्याधराभ्र प्रयोग)	:	डा. रामस्वरूप शर्मा	3
5.	शिरः शूल का नैदानिक अध्ययन एवं पथ्यादि क्वाथ का परीक्षण	:	डा. महेन्द्र कुमार शाण्डिल्य	3
6.	जलोदर का नैदानिक अध्ययन एवं इन्द्रवारूणी प्रयोग	:	डा. कनकप्रसाद व्यास	4
7.	आमवात का निदान चिकित्सात्मक अध्ययन (गुग्गुलु प्रयोग)	:	डा. संतोष कुमार मिश्र	5

1975

8.	उदावर्त रोग एवं सुकुमार कुमार घृत	:	डा. ओमप्रकाश शर्मा	5
9.	तमक श्वास का संशोधन चिकित्सात्मक अध्ययन	:	डा. सुभाषचन्द शर्मा	6
10.	परिणाम शूल (निदान चिकित्सात्मक अध्ययन) एवं नारिकेल खण्ड	:	डा. रामगोपाल शर्मा	7
11.	यकृदुदर और उसकी चिकित्सा	:	डा. भवानी सहाय शर्मा	7
12.	पक्षाघात रोग विमर्श–निदान चिकित्सात्मक अध्ययन (शतावर्यादि गुग्गुलु प्रयोग)	:	डा. रामस्वरूप गुप्ता	8
13.	पाण्डु रोग विमर्श (निदान चिकित्सात्मक अध्ययन)	:	डा. जगदीश चन्द्र शर्मा	8
14.	गृध्रसी रोग का नैदानिक एवं चिकित्सात्मक अध्ययन (रसोन प्रयोग)	:	डा. लोकनाथ शर्मा	9
15.	रक्तपित्त और इसके चिकित्सा सिद्धान्त	:	डा. दुर्गादेवी मिश्रा	10

1976

16.	शोथ रोग एवं पुनर्नवाष्टक प्रयोग	:	डा. सोमेश्वर भारद्वाज	10
17.	कास रोग विमर्श (निदान चिकित्सात्मक अध्ययन)	:	डा. शिवदयाल वशिष्ठ	11

18.	अतिसार रोग विमर्श एवं अतीस प्रयोग	:	डा. हनुमान सहाय शर्मा	11
19.	वातरक्त विमर्श एवं कैशोर गुग्गुलु प्रयोग	:	डा. मातृदत्त शर्मा	12
20.	मूत्रविष संचार में मूत्र विरेचनीय एवं विरजनीय द्रव्य प्रयोग	:	डा. रमेशचन्द्र शर्मा	12
21.	प्रवाहिका रोग एवं चतुर्बीज प्रयोग	:	डा. हरिप्रसाद शर्मा ''ढ़ण्ढ़''	13
22.	आमवात एवं शुण्ठी (निदान चिकित्सात्मक अध्ययन)	:	डा. गोपाललाल पारीक	14
23.	विषम ज्वर रोग विमर्श एवं करंज प्रयोग	:	डा. मन्नालाल शर्मा	14
24.	मधुमेह (नैदानिक अध्ययन; शिलाजतु प्रयोग)	:	डा. राजनारायण शर्मा	15
25.	अर्शोरोग विमर्श (निदान चिकित्सात्मक अध्ययन)	:	डा. सीताराम शर्मा	16

1977

26.	आंत्रिक ज्वर पर लक्ष्मीनारायण रस (नैदानिक प्रयोगात्मक अध्ययन)	:	डा. रमेशकुमार शर्मा	16
27.	क्रिमि रोग का नैदानिक एवं चिकित्सात्मक अध्ययन (राजिका प्रयोग)	:	डा. हरिशंकर शर्मा	17
28.	जीर्ण प्रतिश्याय पर चित्रक हरीतकी का प्रयोग	:	डा. महावीर प्रसाद खाण्डल	18

29.	वात श्लैष्मिक ज्वर	:	डा. बालकृष्ण गोस्वामी	18

1978

30.	वात श्लैष्मिक ज्वर तथा रत्नगिरि रस (निदान चिकित्सात्मक अध्ययन)	:	डा. गीता मिश्रा (शर्मा)	19

1979

31.	पैत्तिक ज्वर में तिक्तषट्पल घृत प्रयोग	:	डा. श्रीकृष्ण शर्मा	20
32.	प्रवाहिका तथा बृहज्जीरकादि मोदक (निदान चिकित्सात्मक अध्ययन)	:	डा. विनोद कुमार गोठेचा	20
33.	परिणाम शूल एवं सामुद्रादि चूर्ण (निदान चिकित्सात्मक अध्ययन)	:	डा. दयाशंकर मिश्रा	21

1980

34.	पाण्डु रोग एवं वज्रवटक मण्डूर (निदान चिकित्सात्मक अध्ययन)	:	डा. राममोहन त्यागी	22
35.	अर्शो रोग पर दुर्नामान्तक शतमल्ल योग का बाह्य चिकित्सात्मक अध्ययन	:	डा. महेन्द्र कुमार श्रृंगी	22
36.	जलोदर चिकित्सा में बिन्दुघृत की कार्मुकता	:	डा. चन्दनमल जैन	23

1981

37.	आमवात में कंस हरीतकी की कार्मुकता	:	डा. अरुण कुमार	24

38.	कामला रोग पर पित्त प्रमाथि हिम (चिकित्सकीय अध्ययन)	:	डा. दीपचन्द कंसल	24
39.	तमक श्वास एवं हरिद्रा खण्ड (चिकित्सात्मक अध्ययन)	:	डा. विनोदकुमार त्रिपाठी	25
40.	वातिक उन्माद में उन्माद भंजन रस की कार्मुकता	:	डा. अजयकुमार साहु	26
41.	ब्राह्म रसायन का वातातपिक अध्ययन	:	डा. गणेश उपाध्याय	26
42.	तमक श्वास में भार्ङ्गीगुड़ की कार्मुकता	:	डा. चन्द्रभानु शर्मा	27
43.	मधुमेह एवं स्वर्ण बंग (निदान चिकित्सात्मक अध्ययन)	:	डा. रामकिशोर पारीक	28
44.	गृध्रसी का निदान चिकित्सात्मक अध्ययन (एरण्ड पाक प्रयोग)	:	डा. राममणि शर्मा	28
45.	गण्डूपद क्रिमि पर क्रिमिरिपु वटी की कार्मुकता (चिकित्सात्मक अध्ययन)	:	डा. श्यामसुन्दर शर्मा	29
46.	अम्लपित्त में अविपत्तिकर चूर्ण की कार्मुकता	:	डा. डी.जी. सोनवाने	29
47.	शोथ (निज) में कंस हरीतकी का प्रयोग (निदान चिकित्सात्मक एवं प्रयोगशालात्मक अध्ययन)	:	डा. रतनपाल सिंह चौहान	30
48.	प्रवाहिका रोग – वत्सकादि घनवटी (चिकित्सात्मक अध्ययन)	:	डा. बृजभूषण पाण्डेय	31

49.	विषम ज्वर पर पंचतिक्त घन वटी का चिकित्सकीय अध्ययन	:	डा. रविशंकर राय	32
50.	वाजीकरण के परिप्रेक्ष्य में कपिकच्छु पाक का चिकित्सात्मक अध्ययन	:	डा. दिनेश्वर प्रसाद	32
51.	तमक श्वास में शंखमल्ल योग (चिकित्सात्मक अध्ययन)	:	डा. अशोक कुमार जैन	33

1982

52.	वाजीकरणान्तर्गत शुक्रक्षयज क्लैब्य (नपुंसकता) में कामदेव घृत की कार्मुकता	:	डा. ओमप्रकाश शर्मा	34
53.	अग्निमुख लौह का रक्तवृद्धिकर प्रभाव	:	डा. श्रीनिवास शर्मा	35
54.	तमक श्वास में शोधन	:	डा. हरि श्याम दुबे	35
55.	वातातपिक रसायन एवं मधुयष्टि अवलेह (चिकित्सात्मक अध्ययन)	:	डा. महेश चन्द्र शर्मा	36
56.	कास रोग का चिकित्सात्मक अध्ययन	:	डा. रविलता जैन	37

1983

57.	रक्तचाप एवं ब्राह्म रसायन (उच्च रक्तचाप का निदान चिकित्सात्मक अध्ययन)	:	डा. जगदीश प्रसाद पाठक	37
58.	आमवात का चिकित्सात्मक अध्ययन एवं शिवागुग्गुलु प्रयोग	:	डा. हरवीरसिंह रघुवंशी	38

59.	आयुर्वेदीय परिप्रेक्ष्य में डिप्रेसिव इलनेस का अध्ययन एवं ज्योतिष्मती का प्रयोग	:	डा. सुधीन्द्रकुमार श्रृंगी	39
60.	CLINICAL STUDY OF NIRVISHI SINDUR KALPA IN THE MANAGEMENT OF HYPERTENSION	:	Dr. K. Govardhan	40

1984

61.	युवान पिड़िका पर कुंकुमाद्य तैल का प्रभाव एवं परिणाम का अध्ययन	:	डा. बालकृष्ण शर्मा	40
62.	मेदस्विता–स्थौल्य पर लौह रसायन प्रयोग (साहित्यिक, नैदानिक एवं चिकित्सात्मक अध्ययन)	:	डा. दिनेशचन्द्र गुप्त	41

1985

63.	ब्रोंकाइटिस (वातिक कास) पर कण्टकार्यवलेह का प्रभाव	:	डा. निरंकार गोयल	42
64.	शिरोबस्ति की कार्मुकता विशेषतः वातिक शिरोरोग के सन्दर्भ में	:	डा. अशोक कुमार सक्सैना	43
65.	निद्राकर चिकित्सा का महत्व	:	डा. कला कासलीवाल	43
66.	चिकित्सा में बस्ति का महत्व एवं मांसक्षय में मात्रा बस्ति का मांसवृद्धिकर कर्म	:	डा. रामनरेश शर्मा	44

1986

67.	A Clinical study of "TAMRA KALPA" on "YAKRI DUDARA"	:	Dr. Arun Kumar Pandey	45
68.	A Clinical study of "TRIPHALADI LAUHA" on "KAMLA"	:	Dr. Rampal	46
69.	A Clinical study of shodhanottar "BHARANGYADI KWATHA" in "TAMAK SWAS" (Bronchial Asthma)	:	Dr. Vidya Vrat Chikara	46
70.	प्लीहोदर पर वर्द्धमानपिप्पली रसायन की कार्मुकता का अध्ययन	:	डा. ओमप्रकाश शुक्ल	47

1987

71.	परिणामशूल में शतावरीमण्डूर की कार्मुकता का अध्ययन	:	डा. राकेश कुमार	48
72.	पक्षाघात में अर्द्धांगवातारि रस का चिकित्सात्मक अध्ययन	:	डा. टेकचन्द	49
73.	रसायनान्तर्गत सर्पिगुड़ का जरा पर प्रभावात्मक अध्ययन	:	डा. हेमन्त कुमार गुप्ता	49
74.	अम्लपित्त पर खण्डकूष्माण्डक अवलेह का चिकित्सात्मक अध्ययन	:	डा. राकेश मोहन	50
75.	जलोदर चिकित्सा में ताम्रपर्पटी की कार्मुकता	:	डा. विद्यानन्द त्रिपाठी	51

1988

76.	आमातिसार (अमीबियासिस) में वृहन्नायिका चूर्ण की कार्मुकता का चिकित्सात्मक अध्ययन	:	डा. कृष्णमुरारी अग्रवाल	52
77.	वाजीकरण के परिप्रेक्ष्य में अमृत भल्लातक की कार्मुकता का अध्ययन	:	डा. नरेश कुमार	53
78.	गृध्रसी में बस्तिकर्म का चिकित्सात्मक अध्ययन	:	डा. सुरेन्द्र कुमार पाण्डेय	54
79.	अर्शोरोग में अर्शोघ्नी वटी का चिकित्सात्मक अध्ययन	:	डा. महेश कुमार शर्मा	55
80.	आमवात में आमवातारि वटी का चिकित्सात्मक अध्ययन		डा. विजयस्वरूप कौशिक	56

1989

81.	श्वित्र रोग पर अवल्गुजादि गुटिका (बाह्य प्रयोगार्थ) एवं धात्री खदिर क्वाथ (आभ्यन्तर प्रयोगार्थ) की कार्मुकता का अध्ययन	:	डा. मोहिनी शर्मा	57
82.	तमक श्वास में सुधार्क योग की कार्मुकता का अध्ययन	:	डा. सुनीता शर्मा	58
83.	विषमज्वर (मलेरिया) में अचिन्त्यशक्ति रस का प्रभावात्मक अध्ययन	:	डा. धर्मवीर दलाल	59

84.	मूत्रवह स्रोतोगत अश्मरी पर वृक्कशूलान्तक वटी का प्रभावात्मक अध्ययन	:	डा. गिरीश कुमार तिवारी	60
85.	विचर्चिका में महाखदिर घृत की कार्मुकता	:	डा. अशोक कुमार	61

1990

86.	ह्रद्रोग में ह्रदयार्णव रस एवं हरीतक्यादि चूर्ण का मूल्यांकन	:	डा. दिनेश कटौच	62
87.	वाजीकरणान्तर्गत शतावर्यादि चूर्ण की कार्मुकता का अध्ययन	:	डा. बृजराज बिहारी भारद्वाज	63
88.	आवृत व्यानोदान वायु (उच्च रक्तचाप) पर रसोन गुग्गुलु का चिकित्सात्मक अध्ययन	:	डा. सविता मलिक	64
89.	अम्लपित्त में शतावरी घृत की कार्मुकता का अध्ययन	:	डा. अनिता शर्मा	65
90.	अर्शोरोग में बाहुशाल गुड़ की कार्मुकता	:	डा. प्रतिभा	66